

## अखिल भारतीय सतनामी सम्मेलन संपन्न

**विषय : सतनाम आन्दोलन का राष्ट्रीय एकीकरण एवं समाकलन – वर्तमान परिपेक्ष में**  
**National integration & unification of Satnam Movement –**  
**in present scenario**

इस्पात नगरी भिलाई के नेहरू सांस्कृतिक भवन सेक्टर 1 में दिनांक 27 व 28 अप्रैल 2008 को दो दिन तक लगातार अखिल भारतीय सतनामी सम्मेलन आयोजित किया गया । इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिला एवं ब्लाक स्तर के प्रतिनिधियों के अलावा देश भर के कोने कोने से विभिन्न राज्यों से सतनामी भाग लिये । जिसमें हरियाणा . नारनौल शाखा व फरुखाबाद से श्री दिनेश कुमार साध की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल व महंत कमलेश दास की अगुवाई में कोटवा धाम बाराबंकी शाखा से पूरा प्रतिनिधि मंडल खास कर लखनऊ बाराबंकी बरेली व अन्य जनपद के साथ छपरा ( बिहार ) व जमशेद पुर ( झारखण्ड ) से अनेकों प्रतिनिधियों ने भाग लिये । रूकन पुर (खुरजा) गद्दी से सतनामी संत सबल दास के अनुयायी श्री सुरेश चंद जी की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल ने सम्मेलन में बढ चढ कर हिस्सा लिया । साथ ही सिद्ध गद्दी भूडकुडा (गाजी पुर )के महंत शत्रुघन दास जी के साथ अन्य प्रदेशों के प्रतिनिधि मंडल खास कर उडिसा . म प्र . महाराष्ट्र ( नागपुर व मुम्बई ) से काफी संख्या में गणमान्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया ।

छत्तीस गढ़ के पावन भूमि में आयोजित इस सम्मेलन में सैकड़ों की संख्या में प्रत्येक जिला व ब्लाक स्तर से प्रबुद्ध सतनामी मंडल ने भाग लेकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अमूल्य योगदान दिया । कुछ प्रमुख नाम इस प्रकार हैं . दिल्ली से प्रो हरिशचन्द्र जोशी . श्री सीया राम लहरे . उप महाप्रबंधक श्री टी आर खुंटे . नागपुर से श्री राम नाथ गेन्द्रें व अन्य सदस्य . उडिसा से ज्योति लाल बंजारे एवं ओम प्रकाश मनहरे . म प्र भोपाल से श्री गिरधर जांगडे . कोटवा धाम बाराबंकी से महंत कामलेश दास . बरेली से महंत हरि प्रताप दास . भुरकुडा (गाजी पुर )से श्री महंत शत्रुघन दास . छपरा ( बिहार )से महंत वासुदेव दास एव विजय दास . झारखण्ड से महंत अनिरुद्ध दास . नारनौल शाखा से श्री दिनेश कुमार साध . दीपक साध आदि अनेकों प्रतिनिधियों ने भाग लिया । छत्तीस गढ़ से प्रमुख प्रतिनिधियों के नाम इस प्रकार हैं बैलाडिला से डॉ देव नारायण . जगदल पुर से श्री मन्नु लाल चतुर्वेदी . कांकेर से

डॉ स्वामी राम बंजारे, डॉ आर पी टण्डन, जशपुर से डी एल दिव्याकार, कोरबा से श्री टी आर मिरे, डी आर जाटवर, सी आर जांगडे, श्री मती राम बाई लहरे, व खाण्डे आदि, बिलासपुर से भूत पूर्व सांसद श्री गोविन्द राम मिरी, श्री लखन लाल कोशले, श्री शिव कुमार केशकर जी पी भारती, भाठापारा से डॉ गी सी जांगडे, भुखन लाल कुरें एवं अन्य प्रतिनिधियों, रायपुर से डॉ पी आर घृतलहरे, डॉ जे आर सोनी, यशवन्त सतनामी, श्री निर्मल खुटे, श्री राम शरण टण्डन, श्री एच एल रात्रे, डॉ विष्णु दत्त गेंड्रे, चन्द्र प्रकाश ओगरे, श्री टी आर वाघमारे, महासमुंद से डॉ ए डी पुरेना, धमतरी से ज्वाला बंजारे, रमेश कुमार लहरे, बलौदा बाजार से डॉ आर एस जोशी, हसौद से डॉ बी के महेश, दुर्ग भिलाई से श्री एफ आर जनार्दन, श्री के दास, श्री डी एल रात्रे, आर डी बंजारे, एन आर गिलहरे, डॉ पी बालकिशोर, डॉ एल एल मारकण्डे, डॉ एस आर बंजारे, श्री टी आर कोसरिया, श्री एम एल भतरिया, डॉ एम आर कुरें, श्री बी आर बंजारे, पुरानिक लाल चेलक, दादू लाल जोशी, एच एल घिदोडे, भजन दास बंधे, श्री टी दास, सहेतरू सिंह गेंड्रे, श्री परमेश्वर गेंड्रे, श्री कृष्णा डहरिया, श्री छत्तर लहरे, डॉ डी एस बंजारे, श्री के एल सावर्णी, श्री घना राम ढिठें, श्री शिवचरण दास बघेल, श्री आर डी जोगांश, डोमन लाल मधुकर, गोविंद कोशले, राज कुमार बंजारे, पवन कुरें, दल्ली राजहरा से श्री जे आर महिलांगे, डी के साण्डे और समस्त प्रशिक्षित केडर आदि सैकड़ों प्रतिनिधियों ने चर्चा में खुल कर भाग लिया । चर्चा को मुख्य बिंदु :

1. सम्पूर्ण भारतभूमि में सतनाम आन्दोलन से जुड़े लोगों को, भले ही वे अपने क्षेत्र में क्षेत्रीय प्रभाव के कारण अलग अलग तरीके से मान्यतायें मानते हो उन सबको एक मंच पर एक साथ पास पास लाना ।
2. सतनाम के पुरोधा सन्त व गुरुओं का क्रमबद्ध सूचीकरण तथा उनके आन्दोलन का स्वरूप और प्रभाव का संकलन कर, एक योजनाबद्ध तरीके से सतनाम आन्दोलन को पूरे भारत में फैलाना ताकि सम्पूर्ण मानव समाज को इसका लाभ मिल सके ।
3. सतनाम आन्दोलन के समान विचारधाराओं का संकलन
4. सतनाम आन्दोलन को एकीकरण हेतु भारत के विभिन्न राज्यों में सम्मेलन व विचार गोष्ठी अभियान चलाना ।
5. सतनाम आन्दोलन का एकीकरण हेतु अखिल भारतीय सतनाम महासभा का गठन ।
6. सतनाम आन्दोलन में व्यवहारिकता एवं गतिशीलता के सिद्धान्त को सहज और सरल तरीके से परिभाषित करना ।
7. सतनाम मिशन के लिए आर्थिक सहयोग ।

कार्यक्रम 27 अप्रेल 2008 रविवार सुबह दस बजे से 28 अप्रेल 2008 सोमवार दोपहर दो बजे तक प्रतिनिधि सम्मेलन चला । यह ऐतिहासिक सम्मेलन सतनामी संग्राम के 336 वर्ष बाद प्रथम बार सम्पन्न हुआ । सन 1672 में औरंगजेब से सतनामी लड़ते हुये बिखर गये थे और देश के कोने कोने में जा बसे । कठिन प्रयास के बाद पता लगाकर सबको एक मंच पर एक साथ पहले बार लाया गया ।

यह गर्व की बात है कि 336 साल बाद भी सतनामी मूल संस्कृति को यथावत बनाये रखें हैं भले ही वे क्षेत्र समयानुकूल कुछ परंपराओं में असर दिखाई पड़ता है पर वैचारिक सुदृढता से आज भी भारत भर के करोड़ों सतनामी एक हुये हैं । रूढीवाद और अंधविश्वास से जुझते हुये अपने विचार धारा को बनाये रखें हैं । यह बात परिचय सत्र में खुल कर पता चला । सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई . खासकर ज्ञानात्मक पहलुओं पर विशेष चर्चा हुआ और ये निष्कर्ष निकला कि भारत के विभिन्न राज्यों में बसे करोड़ों सतनामी आज भी पूर्वजों के सुदृढ विचार धारा से पूर्णतः अवगत है संत कबीर . संत उदादास . व बीरभान . संत जगजीवन दास . संत सबल दास . गुरु घासीदास . गुरु बालकदास . व भुडकुडा के अनेकों सिद्ध गुरुओं की वाणी को प्रतिनिधियों के जुबान से सुनने व समझने का यह पहला अवसर मिला । सबने करतल ध्वनि से सतनाम आंदोलन की एक रूपता पर अपनी अटूट श्रद्धा पेश की ।

प्रतिनिधि सम्मेलन के अंत में एक ऐतिहासिक व महत्व पूर्ण निर्णय लिया गया वह यह है सतनाम धर्म जो विश्व का एक मात्र आदि धर्म है का पुनर्जागरण करना व संवैधानिक मान्यता की दिशा में प्रयास करना । इस मुद्दे पर सभी उपस्थित प्रतिनिधियों ने एक मत से अपने दोनों हाथ ऊपर खड़ा कर ध्वनि मत से पारित किया । जिसकी विडियो रिकार्डिंग उपलब्ध है । अन्य बिंदुओं पर भी एक मत से सबने अपने हाथ खड़ाकर एक साथ पूरे भारत देश में सतनाम धर्म को प्रचारित व प्रसारित करने के लिये विभिन्न आयामों पर प्रस्तावित किया । संपर्क सूत्र के रूप में श्री सुरेश चंद्र जी एवं प्रो एच सी जोशी का नाम सभी ने एक मत से स्वीकारा । विभिन्न प्रदेशों से पधारे प्रतिनिधियों का सम्मान सत्य दर्शन संस्थान के प्रमुख श्री घना राम ढिंढे जी के नेतृत्व में पुष्प गुच्छ एवं श्वेत वस्त्र दे कर किया गया । सतनाम मिशन को आगे बढाने के लिये तत्कालिन आर्थिक सहयोग भी उपस्थित प्रतिनिधियों ने दिये । जो इस प्रकार है टी आर खुंटे दिल्ली . सुरसेन कुरें भिलाई . पन्ना लाल सतनामी . अश्वनी रात्रे रायपुर . ज्योति लाल बंजारे उडिसा . यशवंत सतनामी रायपुर . प्रो एच सी जोशी दिल्ली . महेन्द्र कुमार साध फरूखाबाद . दिनेश साध मुम्बई . रूपेश साध दिल्ली . दीपक साध दिल्ली . राजू कोशले बस्तर . कोटवा धाम बाराबंकी शाखा . पुरानिक लाल चेलक भिलाई . दयालु दास . गजेन्द्र प्रसाद खिलारी भिलाई . मित्र मंडल समिति भिलाई . एफ आर जनार्दन भिलाई . डॉ स्वामी राम बंजारे कांकेर . रामचरण खरे तखतपुर . कुंज बिहारी पटेल केशकाल . बली राम

बघेल तखतपुर . आनंद बघेल भिलाई . संत ज्ञानेश्वर गायकवाड भिलाई . डॉ आर पी टंडन कांकेर . पूरन लाल गायकवाड रायपुर . मनी राम बनर्जी बिलासपुर . साधेलाल तारबहार बिलासपुर . सी आर जांगडे कोरबा . डी आर जाटवर कोरबा . परमेश्वर गेंड्रे दादर . डॉ डी एस बंजारे मिनी माता नगर आदि ।

दिनांक 28 अप्रैल 2008 को तीन से चार बजे सारे शाखाओं के प्रमुख प्रतिनिधि मंडल के साथ सुपेला स्थित काफ़े हाउस में प्रेस कांफ़ेस लिया गया । पत्रकारों के भीड ( जिसकी वीडियो रिकार्डिंग की गयी है ) में चर्चा करते हुये सतनाम धर्म के घोषणा की विस्तृत जानकारी प्रमुख प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षरित दस्तावेज भी पत्रकारों को दिया गया । टी वी चैनल ने भी अपना रिकार्डिंग किया । पत्रकारों के सभी प्रश्नों का संतोष जनक उत्तर दिया गया लेकिन यह खेद के साथ इस विज्ञप्ति में लिखना पड रहा है कि दूसरे दिन सुबह के किसी अखबार ने प्रेस कांफ़ेस में पूछे गये प्रश्न व जवाबों का कहीं जिक तक नहीं किया । केवल नवभारत ने कुछ भ्रामक अंश जरूर छापे . जो गुरु बाल दास जी के संबंध में है । इस तरह का वक्तव्य कहीं नहीं दिया गया है । कृपया समाज में गलत फहमी पैदा करने की कोशिश न की जाय । जबकि यह करोंडो जनता की भावनाओं के साथ देश हित व जन हित का प्रमुख विषय है । महोदय मीडिया जो समाज का प्रमुख स्तंभ होता है . वह ही जनता की भावनाओं व मुख्य धारा से हटकर कहीं खोया . कोई और दिशा ढूढने में व्यस्त नजर आता है । आज यह स्पष्ट किया जाता है कि सतनामी कोई एक जाति नहीं नहीं वरन यह आदि काल से चला आ रहा एक मात्र मानव धर्म है जिसे अपने भीतर झांकने से पता चलता है । मानव कल्याण का एक मात्र रास्ता है इसे जन जन तक पहुँचाने में मीडिया से सहयोग की अपेक्षा की जाती है ।

दिनांक 28 अप्रैल 2008 दिन सोमवार को संध्या काल में अखिल भारतीय सतनामी सम्मेलन का खुला सत्र सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई में संपन्न हुआ । सैकड़ों की तादाद में लोगों की उपस्थिति रही । कार्यक्रम का प्रारंभ समाज प्रमुखों द्वारा दीप प्रज्वलित करके एवं श्री मंशा राम कुर्रे . श्री गजेन्द्र खिलारी . श्री गोवर्धन टंडन व श्री गोविंद बर्मन द्वारा गुरु वंदना से प्रारंभ हुआ । दो दिवसीय अखिल भारतीय सम्मेलन में सपन्न कार्यक्रमों एवं लिये गये निर्णयों की जानकारीयां माननीय टी आर खुंटे द्वारा दिया गया । जिसे खुला सत्र में उपस्थित जनों ने करतल ध्वनि से समर्थन व्यक्त किये । 221 वीं गुरु वंदना के अवसर पर श्री गोरे लाल बर्मन ने सतनाम मिशन को प्रचारित करने में कला एक शसक्त माध्यम है विषय पर अपना टिप्स दिये ।

इस अवसर पर नारनौल शाखा से श्री दिनेश कुमार साध . श्री सुरेश चंद्र रूकन पुर गद्दी आदि ने अपना विचार व्यक्त किये । विभिन्न प्रदेशों से पधारे अतिथियों का सम्मान जैत खाम का प्रतीक चिन्ह देकर किया गया । डॉ जे आर सोनी . डॉ एस एल टोडर . श्री घना राम ढिढे . श्री आर डी जोगांश . श्री के आर मारकण्डे . श्री मती पिंगला देवी कुर्रे . श्री मती नैना बाई

गायकवाड . श्री मती सुशीला टण्डन . श्री मती भानुमती कोसरे . श्री मती अमृतकला बंजारे . श्री मती सेजन बाई टण्डन एवं अन्य समाज प्रमुखों द्वारा नारनौल शाखा से श्री दिनेश कुमार साध . के अगुवाई में आये प्रतिधिगण . कोटवा धाम शाखा से महंत कमलेश दास के नेतृत्व में आये महंत हरिप्रताप दास . रायबरेली . वासुदेव दास . विजय दास . छपरा से . अनिरुद्ध दास . जमशेद पुर झारखण्ड . रूकनपुर गद्दी सतनामी सबला पंथी के श्री सुरेश चंद्र जी एवं अन्य प्रतिनिधिगण उडिसा से ज्योति लाल बंजारे . ओम प्रकाश मनहरे आदि को जैत खाम का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया । इस अवसर पर सतखोजन दास गुरू . नरसिंह मंडल एवं समाज के प्रतिष्ठित जन विशेष रूप से उपस्थित थे । सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्री गोरे लाल बर्मन . श्री यशवंत सतनामी . सतनाम भजन यामिनी . ग्राम कातुल बोर्ड के संचालक व गायक श्री राजू लाल देशलरा . माटी हमर मितान . छत्तीस गढी कला मंच के संचालक भाई रामविलाश खुंटे . कोटवा धाम से महंत कामलेश दास . द्वारा बासुरी वादन . भानु कोसरे द्वारा सतनाम भजन . भानू शर्मा साध . पूरन लाल गायकवाड . गोवर्धन टंडन . आदि ने प्रस्तुती दी । रात्रि में गुरू भंडारा आयोजन हुआ । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरू बालक दास सुरक्षा मोर्चा ने (बी एस एफ ) अपना पूर्ण सहयोग दिया । साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठनों का सहयोग रहा । सर्व श्री मंशा राम कुरें . पंचराम बंजारे . भुवन लाल कोसरिया . वेदानंद दिव्या . गोविंद बर्मन . सुरसेन कुरें . त्रिलोचन डहरे . गोवर्धन टंडन . गजेन्द्र खिलारी . श्याम कुमार मनहर . राजेन्द्र कुमार बंजारे . हरिशंकर धृततलहरे . के एल सावर्णी . आनंद बघेल . संत ज्ञानेश्वर गायकवाड . डॉ डी एस बंजारे . रामाधार सायतोडे . बी आर बंजारे . परमेश्वर गेण्डे . सांवत राम बंजारे . टी आर टण्डन . देव चंद आनंद . माखन लाल टण्डन . देव चंद नारंग . गजेन्द्र साय आदि का विशेष सहयोग रहा । कार्यक्रम का संचालन एफ आर जनार्दन ने किया ।

(एफ आर जनार्दन)

सदस्य

आयोजन समिति

अखिल भारतीय सतनामी सम्मेलन

भिलाई दुर्ग छ ग

ब्यूरो चिफ

लोक प्रिय हिन्दी/अंग्रेजी दैनिक

.....

संलग्न :

- 1 सम्मेलन में पारित महत्व पूर्ण प्रस्ताव की छाया प्रति
- 2 कार्यक्रम का पाम्पलेट
- 3 कार्यक्रम की फोटोग्राफी

अखिल भारतीय सतनामी सम्मेलन संपन्न (27 व 28 अप्रैल 2008)

विषय : सतनाम आन्दोलन का राष्ट्रीय एकीकरण एवं समाकलन - वर्तमान परिपेक्ष में

दिनांक 28 अप्रैल 2008 :

सतनाम मिशन को आगे बढ़ाने के लिये तत्कालिन आर्थिक सहयोग भी उपस्थित प्रतिनिधियों ने दिये । जो इस प्रकार है :

|                                   |            |
|-----------------------------------|------------|
| 1 टी आर खुंटे दिल्ली .            | 500 रूपये  |
| 2 सुरसेन कुर्रे भिलाई .           | 100 रूपये  |
| 3 पन्ना लाल सतनामी .              | 95 रूपये   |
| 4 अश्वनी रात्रे रायपुर .          | 100 रूपये  |
| 5 ज्योति लाल बंजारे उडिसा .       | 100 रूपये  |
| 6 यशवंत सतनामी रायपुर .           | 100 रूपये  |
| 7 प्रो एच सी जोशी दिल्ली          | 100 रूपये  |
| 8 महेन्द्र कुमार साध फरुखाबाद .   | 500 रूपये  |
| 9 दिनेश साध मुम्बई .              | 500 रूपये  |
| 10 रूपेश साध दिल्ली .             | 500 रूपये  |
| 11 दीपक साध दिल्ली .              | 500 रूपये  |
| 12 राजू कोशले बस्तर .             | 100 रूपये  |
| 13 कोटवा धाम बाराबंकी शाखा .      | 401 रूपये  |
| 14 पुरानिक लाल चेलक भिलाई .       | 100 रूपये  |
| 15 दयालु दास                      | 50 रूपये   |
| 16 गजेन्द्र प्रसाद खिलारी भिलाई . | 100 रूपये  |
| 17 मित्र मंडल समिति भिलाई .       | 1000 रूपये |
| 18 एफ आर जनार्दन भिलाई .          | 500 रूपये  |
| 19 डॉ स्वामी राम बंजारे कांकेर    | 100 रूपये  |
| 20 रामचरण खरे तखतपुर .            | 100 रूपये  |
| 21 कुंज बिहारी पटेल केशकाल .      | 51 रूपये   |
| 22 बली राम बघेल तखतपुर .          | 100 रूपये  |
| 23 आनंद बघेल भिलाई                | 100 रूपये  |
| 24 संत ज्ञानेश्वर गायकवाड भिलाई   | 100 रूपये  |
| 25 डॉ आर पी टंडन कांकेर .         | 100 रूपये  |
| 26 पूरन लाल गायकवाड रायपुर .      | 50 रूपये   |
| 27 मनी राम बनर्जी बिलासपुर        | 50 रूपये   |
| 28 साधे लाल . तारबहार बिलासपुर    | 50 रूपये   |
| 29 सी आर जांगडे कोरबा .           | 100 रूपये  |
| 30 डी आर जाटवर कोरबा .            | 100 रूपये  |
| 31 परमेश्वर गेंण्डे दादर .        | 100 रूपये  |

32 डॉ डी एस बंजारे मिनी माता नगर

100 रूपये